परिशिष्ट–3

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग

सहायक संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास (क्षेत्र /विस्तार) परीक्षा 2012

परीक्षा योजना तथा पाठ्यक्रम

(1) परीक्षा योजना

चयन विधि :– अंतिम चयनफ़ल लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार में कुल प्राप्त अंकों के गुणानुक्रम के आधार पर घोषित किया जायेगा ।

अंक योजना:– लिखित परीक्षा हेतु कुल 200 अंक तथा साक्षात्कार हेतु कुल 25 अंक निर्धारित है :–

प्रश्न पत्र योजना :

(1) सिर्फ़ एक प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्प) प्रकार का होगा। प्रश्नपत्र में 2–2 अंक के कुल 100 प्रश्न होंगें । प्रत्येक प्रश्न के 4 वैकल्पिक उत्तर (A, B, C, D) होंगें । उत्तर पत्रक में संदर्भित प्रश्न क्रमांक के समक्ष स्थित उक्त विकल्पों में से केवल एक सही विकल्प के गोले को ही परीक्षार्थी द्वारा काले बालपाइंट पेन से भरना होगा ।

(2) प्रश्नपत्र की अवधि 2 घंटे की होगी । प्रश्नपत्र हिन्दी तथा अंग्रेज़ी दोनो भाषाओं में होगा ।

उत्तीर्णांक :

लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु आवेदक को लिखित परीक्षा में 40% अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा । मध्य प्रदेश के मूल निवासी तथा मध्य प्रदेश हेतु अधिसूचित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति , अन्य पिछड़ा वर्ग तथा विकलांग श्रेणी के आवेदकों को , लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु 10 प्रतिशत अंकों की छूट दी जायेगी । इस प्रकार उक्त श्रेणी के आवेदकों को लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु न्यूनतम 30% अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा । लिखित परीक्षा में प्राप्त अंको के आधार पर गुणानुक्रम में विभिन्न प्रवर्गों से भरी जाने वाली कुल रिक्तियों की संख्या के तीन गुना तथा समान अंक प्राप्त करने वाले आवेदक साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किये जायेंगे । साक्षात्कार हेतु कोई न्यूनतम उत्तीर्णांक निर्धारित नहीं है ।

13/7/12

परीक्षा नियंत्रक

लिखित परीक्षा पाठ्यक्रम

1. कृषि, उसका राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में महत्व, कृषि पारिस्थितिक क्षेत्र तथा फसल एवं पौधों का भौगोलिक वितरण।
2. भारत एवं मध्यप्रदेश की प्रमुख फसलें। अनाज, दलहन, तिलहन, सर्करा फसलें, रेशे वाली फसलें एवं चारे की फसलों की कृषि कार्य माला। विभिन्न फसल पद्धतियां, फसल चक्र, बहु फसली खेती, अविराम खेती, अन्तरवर्तीय खेती, मिश्रित एवं क्रमिक फसल पद्धति (सीक्युन्स क्रापिंग)
3. मौसम एवं फसलों के संबंध, सूखा, बाढ़, शीत लहरें एवं पाला। कृषि के लिए मौसम विज्ञान से संबंधित सेवायें।
4. पौध वृद्धि के माध्यम के रूप में मृदा व उसकी संरचना, मृदा के खनिज और जैविक घटक एवं उनकी फसल उत्पादन में भूमिका। भारत तथा मध्यप्रदेश की प्रमुख मृदाओं के प्रकार। मृदा के रासायनिक, भौतिक एवं सूक्ष्म जैविक गुण धर्म। पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्व, उनके कार्य तथा कमी के लक्षण, उपलब्धता व मृदा में उनका चक्र। विशुद्ध उर्वरक, जटिल एवं मिश्रित उर्वरक तथा जैविक उर्वरक जिनका भारत में उत्पादन तथा विपणन किया जाता है। पौधों के लिये एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन। समस्याग्रस्त मृदायें जैसे लवणीय, क्षारीय एवं अम्लीय मृदाओं का प्रबंधन।
5. मृदा एवं जल प्रबंध। सिंचाई की विधियां भूमि कटाव, कटाव के कारण तथा उसको नियंत्रित करने की विधियां। वर्षा जल का संरक्षण। जलग्रहण क्षेत्र का विकास। बारानी खेती के सिद्धांत तथा विधियां।
6. पौध पोषण, पोषक तत्वों का अवशोषण स्थानान्तरण या संवहन तथा तत्वों का चयापचय (Metabolism) के संदर्भ में पौध क्रियान्वयन के सिद्धांत। पौध वृद्धि में प्रकाश संश्लेषण तथा श्वसन क्रिया, वृद्धि तथा विकास, विकास वर्धिका (auxin) तथा हारमोन्स।
7. अनुवांशिकी तथा पौध प्रजनन के तत्व जो पौधों के विकास में लागू होते हैं, संकर तथा संकुल (कम्पोजिट) जातियों के पौधों का विकास। प्रमुख फसलों की महत्वपूर्ण संकर व संकुल जातियां।
8. भारत एवं मध्यप्रदेश के महत्वपूर्ण फल तथा साग-सब्जी की फसलें, उनकी कृषि कार्य माला। फसल चक्र, अन्तरवर्तीय फसल पद्धति एवं सह फसलें, मानव के पोषण में फलों तथा साक-भाजियों की भूमिका। कटाई उपरान्त देखभाल एवं फल तथा सब्जियों पर संरक्षण।
9. प्रमुख फसलों को हानि पहुंचाने वाले खरपतवार, कीट तथा रोग। फसल सुरक्षा उपायों के सिद्धांत। खरपतवार, कीटों तथा रोगों का एकीकृत नियंत्रण।
10. मृदा सर्वेक्षण के उद्देश्य एवं सिद्धांत। समोच्च रेखीकरण, प्रक्षेत्र विकास, भूमि क्षमता का वर्गीकरण, प्रक्षेत्र यंत्र एवं उपकरण, बैल एवं ऊर्जा चलित यंत्र, मशीनीकरण, इसका औचित्य एवं भारत में इसकी संभावनाएं। बोने के लिये खेत की तैयारी, भूमि प्रबंध, बुआई तथा निदाई-गुड़ाई यंत्र या उपकरण, पौध संरक्षण उपकरण, कटाई एवं गहाई के यंत्र। कटाई उपरान्त उपयोगी मशीनें। प्रक्षेत्र मशीनों या यंत्रों का उपयोग के पूर्व तथा उपयोग के पश्चात रख-रखाव।
11. कृषि के संदर्भ में अर्थशास्त्र अधिक उत्पादन के लिये प्रक्षेत्र कार्य योजना तथा संसाधन प्रबंधन। फसल उत्पादन के कारक तथा उत्पादन से सह संबंध, उपज का विपणन व मध्यप्रदेश में नियमित मंडियां। कृषि उपज का मूल्य तथा कृषि विकास में उसकी भूमिका।
12. कृषि विस्तार के सिद्धांत एवं उद्देश्य। राज्य, जिला तथा विकासखंड स्तर पर विस्तार संगठन, उसकी संरचना, कार्य तथा जिम्मेदारियां। संचार साधनों के तरीके। विस्तार सेवाओं में प्रक्षेत्र संगठन की भूमिका।

1. Agriculture, its importance in national economy, agro-ecological zones and geographic distribution of crop plants.
2. Important crops of India and M.P. Package of practices for cultivation of Cereal, Pulses, Oilseeds, Sugar, Fibre and forage crops. Different cropping systems. Crop rotations, multiple and relay cropping, intercropping, mixed cropping and sequence cropping.
3. Crop weather relationships, droughts, floods, Coldwaves and frosts, Meteorological services to agriculture.
4. Soil as a medium for plant growth and its Composition, minerals and organic constituents of the soil and their role in crop production. Soils types of India and M.P. Chemical, Physical and microbiological properties of soils, Essential plant nutrients, their functions and deficiency symptoms, Occurrence and Cycling in soils, Straight, complex and mixed fertilizers and biofertilizers manufactured and marketed in India. Intergrated nutrient management for plants. Management of problem soils such as saline, alkali and acid soils.
5. Soil and water management, Irrigation methods, soil erosion, its causes and control measures. Rain Water conservation. Watershed development. Rainfed farming principles and practices.
6. Principles of plant Physiology with reference to plant nutrition, absorption, translocation and metabolism of nutrients. Photo-synthesis and respiration, growth and development auxins and hormones in plant growth.
7. Elements of genetics and plant breeding as applied to improvement of crops, development of plant hybrids and composites. Important varieties, hybrids and composites of major crops.
8. Important fruits and vegetable crops of M.P. and India, their package of practices. Crop rotations, intercropping and companion crops. role of fruits and vegetables in human nutrition.
9. Serious weeds, pests and diseases affecting major crops. Principles of plant protection measures. Integrated control of weeds, pests and diseases.
10. Principles and objectives of surveying. Contouring, Farm development, land capability Classification. Farm machinery and equipments. Bullock drawn and power, driven Farm implements. Mechanization and its relevance and scope in India. Seed bed preparation, land shaping, seeding and interculture tools or equipments, plant protection equipments, harvesting and threshing machines, post harvest machinary. Care and maintenance before and after use of farm implements and machinery.
11. Economics with reference to agriculture. Farm planning and resource management for enhanced production. Factors of Crop production and production relationships, marketing of agricultural produce and regulated markets in M.P. Price of agricultural produce and its role in agricultural development.
12. Principles and objectives of agricultural extension. Extension organization at the state, district and block levels, their structure, functions and responsibilities. Methods of Communication, role of farm organisations in extension services.